दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, बुधवार 19 मई 2021 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-03, अंक- 228

महत्वपूर्ण एवं खास

कोरोना से मरने वालों के परिजनों को मुआवजा देगी दिल्ली सरकार

❍दिल्ली सरकार ने घोषणाओं में राशन से लेकर पेंशन तक का किया वादा

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को कहा कि कोरोना के खिलाफ जारी इस जंग में कुछ परिवार बेहद मुश्किल हालातों का सामना कर रहे हैं, ऐसे सभी जरूरतमंद परिवारों के लिए आज हम राशन से लेकर पेंशन तक जैसी चार महत्वपूर्ण घोषणाएं करने जा रहे हैं। केजरीवाल ने ऐलान किया कि दिल्ली में 72 लाख राशन कार्ड धारकों को इस महीने से राशन मुफ्त में दिया जाएगा, उनसे पैसे नहीं लिए जाएंगे। केंद्र की तरफ से भी इन राशन कार्ड धारकों को 5 किलो राशन मुफ्त में मिल रहा है। अब उन्हें इस महीने 10 किलो राशन मुफ्त में मिलेगा। ऐसे कई लोग हैं जो गरीब हैं और उनका राशन कार्ड नहीं बन पाया है। जिन लोगों के पास राशन कार्ड नहीं है और जो कहेगा कि वह गरीब है, उसके पास राशन नहीं है, उन्हें भी दिल्ली सरकार राशन देगी। इसमें किसी तरह का कोई दस्तावेज नहीं मांगा जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि प्रत्येक परिवार जिनमें किसी सदस्य की मृत्यु कोरोना के कारण हुई है, उनको अनुग्रह राशि के रूप में 50,000 रुपये दिए जाएंगे। हीं, जिन परिवारों में इकलौते कमाने वाले सदस्य की मौत कोरोना से हुई है सरकार उन्हें भी 50 हजार रुपये अनुग्रह राशि के साथ 2500 रुपये पेंशन प्रतिमाह दिए जाएंगे। अनाथ बच्चों को हर माह 2500 रुपये पेंशन दिए जाएंगे इसके साथ ही उनकी पढ़ाई और परवरिश का खर्च भी दिल्ली सरकार उठाएगी

दुल्हे ने एक ही मंडप में दो सगी बहनों के साथ रचाया विवाह

❍सोशल मीडिया पर तस्वीर वायरल होने से बनी गले की हड्डी

बेंगलुरु (आरएनएस)। कोरोना महामारी के बीच शादी-विवाह के समारोह बड़े ही सादगी से हो रहे हैं। वहीं, कर्नाटक में एक ऐसी शादी हुई जिसमें एक दूल्हा और दो दुल्हनें थीं। यह घटना कर्नाटक के कोलार जिले के एक गांव की है। दरअसल, दोनों दुल्हनें रिश्ते में सगी बहनें हैं। एक बहन गूंगी तो दूसरी बहरी है। जानकारी के मुताबिक, बड़ी बहन सुप्रिया बचपन से बोल नहीं सकती है। वहीं, उसकी दूसरी बहन को कुछ सुनाई नहीं देता है। ऐसे में उनके माता-पिता के लिए दोनों बहनों की शादी कराने में काफी परेशानी हो रही थी। इसलिए, उन्होंने तय किया कि दोनों बहनों की शादी एक ही शख्स से कराई जाएगी। इस शादी के प्रस्ताव के बारे में उमापति नामक शख्स को जब पता चला, तो उन्होंने प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। बड़े-बुजुर्गों की मौजूदगी में उमापति ने दोनों मूक-बधिर बहनों के साथ सात फेरे लिए, जो अब पूरे जिले में चर्चा का विषय बन गया है। एक शख्स की इन दोनों मूक-बधिर बहनों से शादी की तस्वीर अब सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रही है। वायरल तस्वीरें परिवार वालों के लिए गले की हड्डी बन गई। दूल्हे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। तालुक बाल कल्याण विभाग के अधिकारियों ने पाया कि छोटी बहन ललिता नाबालिग है। उसकी उम्र सिर्फ 17 साल है। साथ ही पुलिस ने ये कहा कि परिवार वालों ने कोरोना के नियमों का पालन नहीं किया और बिना इजाजत के ही शादी कर ली। लिहाजा दोनों के परिवार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया और फिर दूल्हे उमापति को गिरफ्तार कर लिया गया।

बच्चों की सुरक्षा के लिए सरकार की नींद तोड़ना ज़रूरी : राहुल

नई दिल्ली (आरएनएस)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि देश में कोरोना की तीसरी लहर की भविष्यवाणी हो रही हैं और इसे देखते हुए समय रहते बच्चों को महामारी से बचाने के लिये पर्याप्त उपाय करने की सख्त जरूरत है। राहुल गांधी ने कोरोना से निपटने की सरकार की नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि महामारी से बच्चे सुरक्षित रहें इसके लिए मोदी सरकार को नींद से जगाना जरूरी है ताकि समय पर इलाज की पुख्ता व्यवस्था की जा सके। बच्चों को आने वाले समय में कोरोना से सुरक्षित रखने के उपाय करने की जरूरत होगी। स्थिति से निपटने के लिए बाल चिकित्सा सेवाएं और टीकाकरण-उपचार से संबंधी उपाय पहले से ही होने चाहिए। भारत के भविष्य के लिये जरूरी है कि वर्तमान मोदी व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए उसे नींद से झकझोरा जाए।

कोरोना संक्रमण से ग्रामीण इलाकों को बचाना जरुरी, अपने जिले में डीएम खुद बनाए नीतियां : पीएम मोदी

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में कोरोना संक्रमण के ग्रामीण क्षेत्रों में पैर पसारने के बाद बढ़ रही मौतों से चिंतित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को देश में सीधे कुछ जिलाधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि हर जिले की अलग-अलग चुनौतियों से निपटने के लिए जो कुछ भी करना पड़े उसे करने में जिलाधिकारी पीछे नहीं रहे। पीएम मोदी ने टीकाकरण को ही इस लड़ाई के खिलाफ एकमात्र सशक्त हथियार बताया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कुछ राज्यों और जिलों के फील्ड अधिकारियों के साथ सुबह 11 बजे कोरोना वायरस महामारी से निपटने को लेकर एक बैठक की। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि पीएम मोदी

के साथ बातचीत में अधिकारी विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में कोविड -19 के खिलाफ चल रही लड़ाई को जारी रखने के लिए सुझावों और सिफारिशों को साझा किया गया। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि टीकाकरण कोविड से लड़ाई का एक सशक्त माध्यम है, इसलिए इससे जुड़े हर भ्रम को हमें मिलकर दूर करना है। कोरोना के टीके की सप्लाई को बहुत बड़े स्तर पर बढ़ाने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। वैक्सीनेशन को लेकर व्यवस्थाओं और प्रक्रियाओं को स्वास्थ्य मंत्रालय लगातार जारी कर रहा है। अगले 15 दिन का शेड्यूल एडवांस में राज्यों को देने की कोशिश है। आपको भी पता रहेगा कि जिले में कितने लोगों की वैक्सीन उपलब्ध होगी और तैयारी कैसे करें। वैक्सीन वेस्टेज का प्रबंधन भी आप जानते हैं।

पीएम मोदी ने जिलाधिकारियों से कहा कि अगर आपको लगता है कि सरकार की ओर से बनाई गई पॉलिसी में जिला स्तर पर इनोवेशन की जरूरत है तो मैं आपको खुली छूट देता हूं कि आप इनोवेशन करिए। अगर आपको लगता है कि इन इनोवेशन से देश और राज्यों को भी फायदा होगा तो सरकार तक इन्हें पहुंचाइए।

सूत्रों के अनुसार इस बैठक में कर्नाटक, बिहार, असम, चंडीगढ़, तमिलनाडु, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, गोवा, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली के अधिकारी इस बैठक में हिस्सा लिया। बैठक में तेजी से फैल रहे ग्रामीण इलाकों में फैल रहे कोरोना को लेकर चर्चा हुआ। ग्रामीण इलाकों में टेस्टिंग को बढ़ाने जाने पर भी चर्चा हुई। ग्रामीम इलाकों में टेस्टिंग बढ़ाने पर बल दिया गया। कोरोना वायरस के मरीजों को अस्पताल में हर तरह की सुविधा मिले इसे लेकर भी प्लानिंग बनायी गयी है। बैठक में मध्य प्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठक में हिस्सा ले रहे हैं। बैठक के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने कोरोना महामारी से निपटने में राज्यों और जिलों के अधिकारियों के अनुभव के बारे में बताने के लिए पीएम मोदी द्वारा बुलाई गई बातचीत में भाग लिया।

❐ बैठक की प्रमुख बातें

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि हमारी जिम्मेदारी संक्रमण को फैलने से रोकने की भी है। ये तभी संभव है जब हमें संक्रमण के स्केल की सही जानकारी होगी। टेस्टिंग, ट्रेकिंग, ट्रीटमेंट और कोविड बिहेवियर पर ध्यान देने की जरूरत है। पीएम ने कहा कि कोरोना की इस दूसरी वेव में अभी ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों में हमें बहुत ध्यान देना है। गांव में जागरुकता बढ़ानी है और उन्हें इलाज से जोड़ना है। पीएम मोदी ने कहा कि इस समय, कई राज्यों में कोरोना संक्रमण के आंकड़े कम हो रहे हैं, कई राज्यों में बढ़ रहे हैं। कम होते आंकड़ों के बीच हमें ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है।

❐ऑक्सीजन प्लांट लगाने पर जोर

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पीएम केयर्स के माध्यम से देश के हर जिले के अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट्स लगाने पर तेजी से काम किया जा रहा है। कई अस्पतालों में ये प्लांट काम करना शुरु भी कर चुके हैं। हाल ही में चंडीगढ़ में ऑक्सीजन प्लांट लगाया गया है।

पीएमजीकेएवाई के तहत 16 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों ने मई, 2021 के लिए 100 प्रतिशत खाद्यान्न किया प्राप्त

नई दिल्ली (आरएनएस)। कोरोना वायरस के कारण हुए आर्थिक व्यवधान की वजह से गरीबों को होने वाली कठिनाई को दूर करने के लिए भारत सरकार द्वारा घोषित गरीब-समर्थक पहल के मद्देनजर, भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) की घोषणा की गई है।

17 मई, 2021 तक, सभी 36 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों ने भारतीय खाद्य निगम डिपो से 31.80 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न उठाया है। लक्षद्वीप ने मई और जून 2021 के लिए पूर्ण आवंटित खाद्यान्न उठा लिया है। 15 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों यानी आंध्र प्रदेश, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, अरुणाचल प्रदेश, गोवा, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, केरल, लद्दाख, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, पुद्दुचेरी, तमिलनाडु, तेलंगाना और त्रिपुरा, ने मई 2021 के लिए आवंटित 100 प्रतिशत खाद्यान्न प्राप्त कर लिया है। सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को पीएमजीकेएवाई के तहत समयबद्ध तरीके से मुफ्त खाद्यान्न प्राप्त करने और वितरित करने के लिए जागरूक किया गया है। इस योजना के तहत, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-एनएफएसए के तहत शामिल किए गए लगभग 79.39 करोड़ लाभार्थियों को प्रति माह प्रति व्यक्ति 5 किलोग्राम की दर से अतिरिक्त खाद्यान्न, दो महीने यानी मई-जून 2021 की अवधि के लिए प्रदान किया जा रहा है। यह आवंटन नियमित एनएफएसए आवंटन के अतिरिक्त है और इस योजना के तहत 79.39 एलएमटी खाद्यान्न जारी किया जाना है।

तौकते का तांडव : मुंबई से 175 किमी दूर समंदर में डूबा भारतीय जहाज

» नौसेना ने 146 को सुरक्षित बाहर निकाला, बाकी लापता

मुंबई (आरएनएस)। चक्रवर्ती तूफान तौकते के विकराल रूप की वजह से मुंबई में करीब 700 लोग समंदर में फंस गए हैं। बॉम्बे हाई पश्चिम से लेकर दक्षिण तक का तटीय इलाका है। इस इलाके में 4 जहाज फंसे हुए हैं। चक्रवाती तूफान की वजह से ये बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। जो जहाज फिलहाल समंदर में फंसे हुए हैं उनके नाम बार्ज 305 273, सागर भूषण 101, बार्ज एस एस 3 -196, बार्ज गल कन्ट्रेक्टर-137 शामिल हैं। जहाज

में से लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने का काम जारी है। अब तक 146 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। आईएनएस कोच्चि और आईएनएस कोलकाता ने 111 लोगों को, ओएसवी ग्रेटशिप अहिल्या ने 17 लोगों को और ओएसवी ओशियन एनर्जी ने 18 लोगों का रेस्क्यू किया। वहीं आईएनएस तलवार सागर भूषण और बार्ज एसएस-3 को बचाने की लगातार कोशिश में लगा हुआ है।

नौसेना ने बचाव कार्य के लिए मंगलवार सुबह पी-81 को तैनात किया था। यह खोज एवं बचाव कार्यों के लिए नौसेना का एक बहुमिशन समुद्री गश्ती विमान है।

इससे पहले, सोमवार को निर्माण कंपनी 'एफकान्स' के बंबई हाई तेल क्षेत्र में अपतटीय उत्खनन के लिए तैनात दो बजरे लंगर से खिसक गए और वे समुद्र में अनियंत्रित होकर बहने लगे थे, जिसकी जानकारी मिलने के बाद नौसेना ने तीन फ्रंटलाइन युद्धपोत तैनात किए थे। इन दो बजरे पर 410 लोग सवार थे।

इन दो बजरे की मदद के लिए आईएनएस कोलकाता, आईएनएस कोच्चि और आईएनएस तलवार को तैनात किया गया था। नौसेना के एक प्रवक्ता ने मंगलवार सुबह कहा, ''समुद्र में बजरे पी305 से बेहद चुनौतीपूर्ण स्थिति में कुल 146 लोगों को बचाया गया है।' उन्होंने बताया कि अन्य लोगों को बचाने के लिए खोज एवं बचाव (एसएआर) अभियान पूरी रात जारी था।

देश में कोरोना से बढ़ती मौतों से दहशत का माहौल, कोरोना को एक दिन में चार लाख से ज्यादा मरीजों ने दी मात

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर के कोहराम में भले ही दैनिक मामलों में गिरावट आ रही हो, लेकिन एक दिन मौतों के बढ़ते आंकड़े को लेकर दहशत का माहौल बना हुआ है। हालांकि सक्रीय मरीजों में भी गिरावट आ रही है और कोरोना से ठीक होने वालों में लगातार इजाफा हो रहा है। पिछले 24 घंटे में देश में चार लाख से ज्यादा कोरोना मरीज स्वस्थ्य हुए हैं, जो एक रिकार्ड है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक देश में एक दिन में कोरोना के 2,63,533 नए मामले सामने आए हैं, जिसके बाद देश में अब तक संक्रमितों की संख्या बढ़कर

2,52,28,996 हो गई। वहीं एक दिन में 4,329 और लोगों की संक्रमण से मौत से दहशत और भय बना हुआ है। दैनिक मामलों में कमी के बावजूद मौतों के आंकड़े हरदिन बढ़ रहे हैं। अब तक देश में कोरोना संक्रमण के कारण हुई मौतों का आंकड़ा बढ़कर 2,78,719 हो गया है। पिछले करीब एक हफ्ते से देश में हर रोज कोरोना से 4 हजार से अधिक लोगों की मौत होने का सिलसिला जारी है। पिछले 24 घंटों में कोरोना के नए मामलों में सबसे अधिक मामले पांच राज्यों में आए हैं, इनमें कर्नाटक में 38,603, तमिलनाडु में 33,075, महाराष्ट्र में 26,616, केरल में 21,402 तथा पश्चिम बंगाल में 19,003 मामले दर्ज किये गये। इन पांच राज्यों से लगभग 52.63 प्रतिशत नए मामले सामने आए हैं, जिनमें अकेले कर्नाटक 14.65 प्रतिशत नए मामलों के लिए जिम्मेदार है। जबकि पिछले 24 घंटों में कुल 4,329 लोगों की हुई मौतों में सबसे अधिक मौतें महाराष्ट्र (1000) में हुई। जबकि कर्नाटक में 476 मौतें हुई।

4.22 लाख ने दी कोरोना को मात

स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, देश में एक बार फिर सक्रिय मामलों का ग्राफ नीचे आ रहा है। राहत की बात ये है कि पिछले 24 घंटे में रिकॉर्ड 4,22,436 कोरोना मरीज स्वस्थ होकर अपने घर लौट गए हैं। इसके साथ ही देश में अब तक 2,15,96,512 मरीज कोरोना वायरस को मात देने में कामयाब हुए हैं। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 85.60 प्रतिशत हो गई है। रोजाना के आधार पर दर्ज होने वाले नए कोरोना केसों की तुलना में ठीक होने वाले मरीजों संख्या करीब दो महीने बाद दोगुनी के करीब पहुंच गई है। फिलहाल, देश में 33,53,765 सक्रिय मामले हैं।

रेलवे ने 13 राज्यों को पहुंचाई 10 हजार टन से ज्यादा ऑक्सीजन

नई दिल्ली (आरएनएस)। कोरोना काल में अपनी विशेष ऑक्सीजन एक्सप्रेस को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही भारतीय रेल ने अब तक 269 ऑक्सीजन एक्सप्रेस के जरिए दस हजार टन से ज्यादा लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन की आपूर्ति की है। सोमवार को गुजरात में तूफानी हवाओं के बीच रेलवे ने लगभग 150 टन लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन वाली दो ट्रेनों को का भी सफल संचालन किया है। ऑक्सीजन एक्सप्रेस की गति बढ़ाई गई है और इनकी औसत गति 75 किलोमीटर प्रति घंटे है।

रेल बोर्ड के अध्यक्ष और सीईओ सुनीत शर्मा ने कहा है कि ऑक्सीजन प्राणवायु है और रेलवे की प्राथमिकता लोगों की जान बचाना है। इसलिए उनके दिमाग में इसके परिवहन पर आने वाली लागत है ही नहीं। यह सेवा का काम है, जिसमें पूरे देश के साथ रेलवे भी शामिल है।

शर्मा ने बताया कि गुजरात में सोमवार को तूफान के बावजूद रेलवे ने वहां से तेज हवाओं के बीच अपनी दो ऑक्सीजन एक्सप्रेस का संचालन किया है। 18 अप्रैल से रेलवे ने अपनी विशेष ऑक्सीजन एक्सप्रेस की शुरुआत की थी और अब तक 10302 टन लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन की आपूर्ति की जा चुकी है। रेलवे ने 13 राज्यों को यह ऑक्सीजन आपूर्ति की है।

पेट्रोलियम और इस्पात क्षेत्र की कंपनियां कोविड देखभाल केंद्रों के लिए 12,000 ऑक्सीजन बिस्तर कर रही है तैयार

नई दिल्ली (आरएनएस)। सार्वजनिक के साथ-साथ निजी क्षेत्र से संबंधित देश भर के इस्पात संयंत्र देश को नियमित रूप से जीवन रक्षक तरल मेडिकल ऑक्सीजन (एलएमओ) की आपूर्ति कर रहे हैं। इस्पात और पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के मार्गदर्शन में, उन्होंने कोविड-19 महामारी से लड़ाई में कई कदम उठाए हैं और जनता को राहत दी है।

पेट्रोलियम क्षेत्र के साथ मिलकर, उन्होंने देश की एलएमओ की जरूरत के बड़े हिस्से की आपूर्ति के रूप में योगदान किया है, जो लगभग 10 हजार एमटी/दिन है। इस्पात संयंत्रों की एलएमओ आपूर्ति बढ़कर प्रति दिन 4 हजार एमटी हो गई है, जो 1 अप्रैल, 2021 को 538 एमटी प्रति दिन थी।

17 मई को, उन्होंने 4435 एमटी एलएमओ की आपूर्ति की थी जो 16 मई को 4314 एमटी रही थी। इसमें सेल से 1485 एमटी, आरआईएनएल से 158 एमटी, टाटा से 1154 एमटी, एएमएनएस से 238 एमटी, जेएसडब्ल्यू से 1162 एमटी और बाकी अन्य इस्पात संयंत्रों से हुई आपूर्ति शामिल है। इस्पात संयंत्रों ने तरल नाइट्रोजन और आर्गन उत्पादन क्षमता को एलएमओ के माध्यम से अतिरिक्त मात्रा में उत्पादन सहित दैनिक उत्पादन क्षमता बढ़ाई है। उन्होंने एलएमओ का उत्पादन बढ़ाने के लिए गैसीय ऑक्सीजन के इस्तेमाल में भी कमी की है।

पेट्रोलियम क्षेत्र से, प्रति दिन लगभग 1150 एमटी एलएमओ आरआईएल जामनगर रिफाइनरी, आईओसीएल पानीपत रिफाइनरी और बीपीसीएल कोच्चि और बीना रिफाइनरीज को आपूर्ति की जा रही है।

इस्पात संयंत्र और तेल रिफाइनरियां जीवन रक्षा और नई स्वास्थ्य चुनौतियों को देखते हुए बेहतर तरीके से तैयार होने के लिए हर संभव काम कर रही हैं। गंभीर देखभाल और आपात स्वास्थ्य देशभाल अवसंरचना को मजबूत बनाने के उद्देश्य से, पेट्रोलियम व इस्पात क्षेत्र की कंपनियां युद्ध स्तर पर देश भर के बड़े अस्थायी कोविड देखभाल केन्द्रों को 12,000 ऑक्सीजन बिस्तर उपलब्ध करा रही हैं। इस प्रक्रिया में इस्पात क्षेत्र देश भर में 8,500 ऑक्सीजन की सुविधा से युक्त बिस्तरों की स्थापित कर रहा है, जिनमें उनके संयंत्रों में उत्पादित गैसीय ऑक्सीजन का उपयोग किया जाएगा और लंबी दूरी तक एलएमओ की आपूर्ति की समस्या का हल निकाला जाएगा। बीपीसीएल बीना रिफाइनरी, आईओसी पानीपत रिफाइनरी, बीपीसीएल कोच्चि रिफाइनरी, एचएमईएल बठिंडा रिफाइनरी और सीपीसीएल चेन्नई रिफाइनरी इन अस्पतालों में पेट्रोलियम क्षेत्र की सुविधाएं स्थापित कर रही हैं। हाल में, कोच्चि और पानीपत रिफाइनरियों व हिसार स्थित इस्पात संयंत्र के पास कोविड देखभाल केन्द्रों का परिचालन शुरू हो गया।

कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान ऑक्सीजन संकट में देश की सहायता के लिए, ओएनजीसी को एक लाख ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर की खरीद की जिम्मेदारी दी गई है। आपूर्ति की प्रक्रिया इस हफ्ते से शुरू होने का अनुमान है, जबकि पूरी खेप अगले महीने के अंत तक प्राप्त हो जाएगी। इसके अलावा, घरेलू क्षमता बढ़ाने के लिए घरेलू विनिर्माताओं को ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर की 40,000 इकाइयों के लिए ऑर्डर दिए गए हैं।

तेल और गैस पीएसयू द्वारा इस दिशा में उठाए गए अन्य कदमों में कम अवधि में बड़ी संख्या में सिलेंडर भरने के लिए ऊंची क्षमता के ऑक्सीजन कम्प्रेशरों की खरीद, तरल ऑक्सीजन का आयात और टैंकरों व आईएसओ कंटेनरों के माध्यम से तरल ऑक्सीजन की ढुलाई के लिए लॉजिस्टिक सहयोग शामिल हैं। एलएमओ की उपलब्धता और वितरण में सुधार के लिए, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के पीएसयू देश भर के अस्पतालों में 100 से ज्यादा पीएसए ऑक्सीजन